01/02/2022 Hons 1st Paper!

Date ....
Page ....

सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त (Theory of Social Stratification:-

विभिन्न विद्वानों ने सामाजिक स्तरीकरण की व्यवस्था को स्पष्ट करने के लिए भिन्न भिन्न विचारों का उल्लेख किया है ये सभी विचार एक-दूसरे से कुछ भिन्न हैं लेकिन इन सभी के द्वारा यह स्पष्ट होता है कि सामाजिक स्तरीकरण प्रत्येक समाज के लिए एक आवश्यक स्थिति है और किसी न किसी रूप में सभी समाजों के लिए इसका बहुत महत्व है। कुछ प्रमुख विद्वानों द्वारा दिये गये सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त इस प्रकार है:-

1 कार्ल मार्क्स का सामाजिक स्तरीकरण का सिद्धान्त (Theory of Social Stratification of Karl Marx):-

कार्ल-मार्क्स ने ~~अपनी~~ अपने वर्ग संघर्ष के विचारधारा के आधार पर सामाजिक स्तरीकरण को स्पष्ट करने का प्रयास किया है। उन्होंने अपनी पुस्तक साम्यवादी घोषणा पत्र Communist Manifesto) में लिखा है. "आज तक अस्तित्व में रहे समाजों का इतिहास वर्ग संघर्षों का इतिहास है"। अर्थात् प्रत्येक काल में वर्ग रहे हैं और उनके बीच निरन्तर संघर्ष रहा है। स्वतंत्र व्यक्ति

व दास, कुलीन व अकुलीन सामन्त और अधिकारी, शासक व शोषित थे सभी वर्ग विभिन्न कालों में रहे हैं। मार्क्स के वर्ग का विचार समाज में व्याप्त आर्थिक असमानता के फलस्वरूप स्तरीकरण पर आधारित है।

मार्क्स का विचार है कि विभिन्न समाजों के इतिहास में मनुष्य को प्रेरणा देने वाली सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य के रहने का एक विशेष ढंग है। मार्क्स का कथन है कि जिस प्रकार जीवित रहने के लिए भोजन करना अनिवार्य है उसी प्रकार व्यक्ति जिस ढंग से जीविका उपार्जित करता है उसका मस्तिष्क भी वैसा ही बन जाता है। इसका अर्थ यह है कि जीविका उपार्जित करने के ढंग में होने वाला परिवर्तन समाज में परिवर्तन की दशा उत्पन्न करता है। उनका विचार है कि सामाजिक असमानता अथवा दूसरे शब्दों में सामाजिक स्तरीकरण एक स्वाभाविक घटना नहीं है। यदि सभी व्यक्तियों को सभी वस्तुओं पर अधिकार हो सकता है और जो व्यक्ति जिस भूमि पर कार्य करता है, वह

भूमि उसी के अधिकार में होती है। उत्पादन की शक्तियों का वितरण धीरे-धीरे अपने आप समान हो जाता है लेकिन समाज में कुछ थोड़े से व्यक्तियों का ही भूमि पर अधिकार हो जाता है अथवा उत्पादन के साधनों पर अधिकार होने से अधिकांश जनता उनके अधीन हो जाती है तो इसमें सामाजिक असमानता का जन्म होता है।

वास्तविकता यह है कि अधिकांश समाजों में सर्वहारा वर्ग के पास न तो उत्पादन के उपकरण होते हैं और न ही उन्हें उत्पादन के दूसरे साधनों जैसे कच्चा माल, पूँजी अथवा प्राकृतिक साधनों की सुविधाएँ मिल पाती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें जीवित रहने के लिए अपनी सम्पत्ति और श्रम को बेचना पड़ता है। जबकि मालिक वर्ग उनकी सम्पत्ति और पूँजी की सहायता से अधिक से अधिक धन एकत्रित करता है और बड़े लाभ को प्राप्त करने लगता है। इसके परिणामस्वरूप समाज में आर्थिक साधनों के आधार पर अनेक वर्गों का निर्माण होता है। इनमें से प्रत्येक वर्ग को जीवन में विकास करने के सम्बन्धित अवसर भिन्न-भिन्न मात्रा में प्राप्त होते हैं। कुछ समय

बाद यह अन्तर केवल आर्थिक सम्बन्धों का ही नहीं रह जाता बल्कि उनको मिलने वाली अन्य सुविधाओं भी इसी के अनुपात में निर्धारित होने लगती है। इसके फलस्वरूप मालिक वर्ग या बुर्जुआ वर्ग को राजनीतिक शक्ति मिल जाती है और कानूनों साहित्य तथा विज्ञान पर उसका नियन्त्रण स्थापित हो जाता है जबकि दूसरी ओर यह स्थिति सर्वहारा वर्ग की दशा को और अधिक गिरा देती है।

उपर्युक्त सम्पूर्ण दशाओं के फलस्वरूप प्रत्येक वर्ग के अन्दर एक विशेष वर्ग चेतना का विकास होता है क्योंकि बुर्जुआ और सर्वहारा वर्ग के सम्बन्धों में शोषण में वृद्धि होती है इसलिए प्रत्येक वर्ग पारस्परिक संघर्ष के द्वारा अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने की कोशिश करने लगता है। इससे स्पष्ट होता है कि सामाजिक स्तरीकरण का वास्तविक कारण विभिन्न वर्गों के बीच सम्पत्ति और साधनों की असमानता होना और इसके फलस्वरूप इनके बीच होने वाला संघर्ष है। मार्क्स का कथन है कि "मानव समाज का सम्पूर्ण इतिहास वास्तव में वर्ग संघर्ष का ही इतिहास है। और यही कारण है कि प्रत्येक

समाज में सामाजिक असमानता को प्रोत्साहन मिलता रहा है जिसके फलस्वरूप समाज में स्तरीकरण की व्यवस्था बनी रही है।

आलोचना :- उपर्युक्त विवरणों से यह स्पष्ट होता है कि मार्क्स ने केवल आर्थिक कारक को ही सामाजिक स्तरीकरण का आधार माना है। मार्क्स की विचारधारा काफी संकुचित है मात्र वर्ग संघर्ष के आधार पर ही सामाजिक स्तरीकरण को नहीं समझा जा सकता क्योंकि समाज में धर्म जाति शिक्षा, व्यवसाय प्रजाति पेशा एवं वैयक्तिक गुणों के आधार पर भी समाज में स्तरीकरण पाया जाता है।

ViJant Kumar Mishra
Asst Prof Guest facul ty (Part time)
Dept of Sociology
ViJantMishra1@gmail.com
Mob- 9308451461
7903930105

Date- 07/02/2022

B.A. Hons Paper 2 Part 1